सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

आउटसोर्सिंग कार्मिकों की सेवा भावना सराहनीयः सीएम योगी

» Pg03

कानपुर, शुक्रवार, 25 अप्रैल, 2025
वर्षः 02, अंकः 119, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड न्याय के लिए मौन पद यात्रा करेंगे कर्मचारी नेता राकेश... » Pg06

बेटियों ने फिर मारी बाजी, उत्तीर्ण प्रतिशत बेटों से अधिक

12वीं में महक 10वीं में यश प्रताप ने किया टॉप

यूपी बोर्ड का रिजल्ट जारीः 43 दिन में घोषित हुए यूपी बोर्ड के परिणाम, सीएम योगी ने उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को दी बधाई

हाईस्कूल	इंटरमीडिएट
90.11%	81.15%

छात्राओं का प्रतिशत

हाई. 93.87% । इंटर 86.37%

महक जायसवाल, इंटर टॉपर

यश प्रताप सिंह, हाईस्कूल टॉपर

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया।

लखनऊ/प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने आज शुक्रवार को वर्ष 2025 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम घोषित कर दिया। योगी सरकार की सक्रियता और पारदर्शी व्यवस्था के चलते इस बार सिर्फ 43 दिनों में परीक्षा परिणाम घोषित कर नया कीर्तिमान स्थापित किया गया। हाईस्कूल के समस्त परीक्षार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 90.11 रहा, जबकि इंटरमीडिएट का उत्तीर्ण प्रतिशत 81.15 रहा।

इंटरमीडिएट में महक जायसवाल, बच्चा राम यादव इंटर कॉलेज, भुलाई का पूरा (प्रयागराज) ने 97.20% अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, हाई स्कूल में यश प्रताप सिंह, स्व0 श्रीमती रसकेंद्री देवी इंटर कॉलेज, उमरी (जालौन) ने 97.83% अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। हर बार की तरह इस बार भी लड़कियों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। हाई स्कूल में बालिकाओं का उत्तीर्ण प्रतिशत बालकों के उत्तीर्ण प्रतिशत से 7.21 अधिक है। वहीं, इंटरमीडिएट में बालिकाओं का उत्तीर्ण प्रतिशत बालकों के उत्तीर्ण प्रतिशत से 9.77 अधिक है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को बधाई दी हैं और उनको बेहतर भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी है।

शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) महेंद्र देव एवं सचिव माध्यमिक शिक्षा परिषद भगवती सिंह ने रिजल्ट की घोषणा की। उन्होंने बताया कि इस वर्ष की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 24 फरवरी 2025 से 12 मार्च 2025 के मध्यम संपन्न हुई। मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर यूपी बोर्ड द्वारा कुल 8140 परीक्षा केंद्रों पर 13 कार्यदिवसों में परीक्षाएं नकलविहीन और शुचितापूर्ण के साथ सफलतापूर्वक संपन्न कराई गई। उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन 19 मार्च से 2 अप्रैल के मध्य निर्धारित कुल 261 मूल्यांकन केंद्रों पर संपन्न हुआ। हाईस्कूल के मूल्यांकन में 92,594 परीक्षकों की भागीदारी रही, जबकि इंटर के मूल्यांकन में 56,066 परीक्षकों की भूमिका रही। इंटर की प्रयोगात्मक परीक्षाएं दो चरणों में 1 से 21 फरवरी के मध्य संपन्न हुई। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी बोर्ड ने तकनीकी और प्रशासनिक सुधारों के माध्यम से परीक्षा प्रक्रिया को पारदर्शी और विश्वसनीय बनाया है।

हाईस्कूल परीक्षा परिणाम

- **कुल परीक्षार्थीः** 25,45,815 (1327024 बालक, 1218791 बालिकाएं)
- **उत्तीर्ण परीक्षार्थीः** 22,94,122
- **कुल उत्तीर्ण प्रतिशतः** 90.11%
- **बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशतः** 86.66%
- बालिकाओं का उत्तीर्ण प्रतिशतः 93.87%
- बालिकाओं का प्रदर्शन बालकों से 7.21% अधिक

इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम

- कुल परीक्षार्थीः 25,98,560 (1387263 बालक, 1211297 बालिकाएं)
- उत्तीर्ण परीक्षार्थीः 21,08,774
- कुल उत्तीर्ण प्रतिशतः 81.15%
- बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशतः 76.60%
- बालिकाओं का उत्तीर्ण प्रतिशतः 86.37%
- बालिकाओं ने बालकों को 9.77% से पछाड़ा।

10वीं, 12वीं टॉपर्स को कितनी प्राइज मनी मिलेगी?

यूपी बोर्ड 12वीं में 97.20% अंकों के साथ महक जायसवाल ने टॉप किया है। महक जायसवाल, बच्चा राम यादव इंटर कॉलेज, भुलाई की छात्रा हैं। दूसरे नंबर पर- 96.80 फीसदी साक्षी (अमरोहा), आदर्श यादव (सुल्तानपुर), शिवानी सिंह (प्रयागराज), अनुष्का सिंह (कौशांबी) और तीसरे नंबर पर- मोहनी (इटावा) 96.40 फीसदी अंक रही हैं।

यूपी बोर्ड द्वारा कक्षा 10वीं, 12वीं के परिणाम प्रतिवर्ष प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए जारी किए जाते हैं। इसमें कुल टॉपर्स की जानकारी, टॉपर्स को मिलने वाली पुरस्कार, उत्तीर्ण प्रतिशत, जिलेवार उत्तीर्ण प्रतिशत और पूरक परीक्षाओं की तारीखों की जानकारी दी जाती है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड प्रत्येक वर्ष कक्षा 10वीं, 12वीं में टॉपर करने वाले छात्रों को नकद पुरस्कार, लैपटॉप और प्रशस्ति पत्र देता है, जिसमें राज्य में टॉपर करने वाले छात्र को 1 लाख रुपये की नकद राशि, एक टैबलेट या लैपटॉप और प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। दूसरी तरफ जिलास्तर पर टॉप करने वाले छात्रों को 21 हजार रुपये की नकद पुरस्कार राशि और प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।

यूपी बोर्ड 10वीं, 12वीं रिजल्ट 2024 में टॉप करने वाले छात्रों को योगी आदित्यनाथ सरकार ने नकद पुरस्कार, टैबलेट और मेडल सहित कई सम्मान दिए थे। इसमें राज्य स्तर पर टॉप करने वाले छात्रों को 1 लाख रुपये और एक टैबलेट और जिला स्तर के टॉपर को 21,000 रुपये का पुरस्कार दिया गया था।

जेल में निरुद्ध बंदी परीक्षार्थी भी हुए उत्तीर्ण

विभिन्न जेलों में निरुद्ध बंदी परीक्षार्थी भी हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं में उत्तीर्ण हुए। हाईस्कूल में कुल मिलाकर ऐसे 94 परीक्षार्थियों ने बोर्ड एग्जाम दिए, जिनमें से 91 उत्तीर्ण हुए। उत्तीर्ण प्रतिशत 96.81 प्रतिशत रहा। इसी तरह, इंटरमीडिएट में कुल 105 बंदी परीक्षार्थी एग्जाम में बैठे, जिनमें 91 उत्तीर्ण हुए। उत्तीर्ण छात्रों का कुल प्रतिशत 86.67 प्रतिशत रहा।

सभी मेधावी छात्रों को सरकार की तरफ से सम्मानित किया जाएगा

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने शुक्रवार को यूपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए, जिसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टॉपर छात्रों को लेकर बड़ा एलान किया है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश स्तर व जिला स्तर के सभी मेधावी छात्रों को सरकार की तरफ से सम्मानित किया जाएगा।

सीएम योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट बोर्ड की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई! यह उपलब्धि आप सभी की मेधा, मेहनत एवं अनुशासन का प्रतिफल है।

जीवन की हर परीक्षा में आपके परिश्रम को प्रतिष्ठा मिले, सफलता आपकी स्थायी साथी बने, यही शुभकामना है। आप सभी छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य हेतु अनंत मंगलकामनाएं! इसके साथ उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश स्तर एवं जनपद स्तर के सभी टॉपर्स का सम्मान किया जाएगा।

एक अन्य पोस्ट में, सीएम योगी ने कहा, उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट बोर्ड की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई! यह उपलब्धि आप सभी की मेधा, मेहनत एवं अनुशासन का प्रतिफल है। जीवन की हर परीक्षा में आपके परिश्रम को प्रतिष्ठा मिले, सफलता आपकी स्थायी साथी बने, यही शुभकामना है। आप सभी छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य हेतु अनंत मंगलकामनाएं!

वहीं, परीक्षा में फेल हुए छात्रों को एक खास संदेश देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिखा, विद्यार्थियों! विफलता निराशा का आधार नहीं होना चाहिए, यह आत्म-मूल्यांकन का एक अवसर देती है। निराश न हों, फिर से प्रयास करें। सफलता आपकी राह देख रही है।

न्याय के लिए मौन पद यात्रा करेंगे कर्मचारी नेता राकेश रावत

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर । बीते वर्षों से कानपुर विकास प्राधिकरण व अनुसूचित जाति से आने वाले एक कर्मचारी के खिलाफ़ षड्यंत्र रच कर उसको उसी के पद से हटाकर कार्यविहीन कर दिया गया था ।सिर्फ़ और सिर्फ़ कई भ्रष्टाचारियों के काले कारनामे उजागर करने की कोशिश की थी, क़ानून के विरोध में जाकर राकेश रावत को साक्ष्यों और कई अहम सबूतों को छुपाकर कर कानपुर विकास प्राधिकरण में सक्रिय भ्रष्टाचारियों का एक मज़बूत गैंग है जिसके खिलाफ़ कर्मचारी ने आवाज़ उठाई थी और साक्ष्यों के साथ सरकार से भ्रष्टाचारियों के खिलाफ़ कार्यवाही की मांग भी की थी लेकिन भ्रष्टाचारियों पर कोई कार्यवाही तो नहीं की गई बल्कि इनके खिलाफ़ आवाज़ उठाने वाले कर्मचारी को हटाया गया और फर्जी झूठे मुकदमे में फंसाया गया था, जिसके लिए कर्मचारी राकेश रावत ने सबूतों के साथ न्याय मांगने की कोशिश भी की व सरकार और अधिकारियों से न्याय करने की मांग की लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं हो सकी है।

» मोतीझील से लेकर मंडलायुक कार्यालय तक पद यात्रा के लिए अधिकारियों से मांगी अनुमति

» केडीए में भ्रष्टाचार खोलने पर तत्कालीन वीसी अरविंद सिंह के इशारे पर हुई थी कार्रवाई

आज भी भ्रष्टाचार के खिलाफ़ कार्यवाही की मांग करने वाले कर्मचारी को उत्तर प्रदेश सरकार और उच्च अधिकारियों से न्याय की आस है लेकिन इसके लिए कर्मचारी की बात कोई सुनने को तैयार नहीं है। तो राकेश रावत ने कानपुर विकास प्राधिकरण में कार्यरत फर्जी तरीके से रजिस्ट्री कराने वालों और अपनी मनमाने तरीके से फर्जी मानचित्र पास कराने वालों के खिलाफ़ खुलासा कर उच्च अधिकारियों से शिक़ायत कर भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाई थी,

तो वहीं भ्रष्टाचारियों का सक्रिय गैंग जिसमें कि कई अधिकारी गढ़ भी लिप्त हैं, सभी ने एकजुट होकर राकेश रावत के खिलाफ़ झूठे दस्तावेज़ तैयार कर उच्च अधिकारियों को दिखाया और आय से अधिक संपति भी बताकर कर्मचारी राकेश रावत को दोषी ठहराया, बल्कि सक्रिय भ्रष्टाचारी गैंग केडीए परिसर में इस तरह से हावी है कि अगर कोई उनके काले कारनामे उजागर करता है तो उच्च अधिकारियों द्वारा कार्यवाही निर्दोषों पर कर दी जाती है।

जानकारी अनुसार बहुत से कर्मचारी ऐसे हैं जो केडीए विभाग में किसी भी पद पर नहीं है और न ही कार्यरत है फ़िर भी बड़े स्तर पर अधिकारियों के साथ लिप्त हो कर कार्य कर रहे हैं, बल्कि कार्यरत कर्मचारियों को दिशा निर्देश देते घूमते हैं, तो वहीं अनुसूचित जाति के कर्मचारी ने देश के प्रधानमंत्री, प्रदेश के मुख्यमंत्री व राज्यपाल सहित उत्तर प्रदेश पुलिस में उच्च अधिकारियों को भी लिखित शिकायत कर विभाग में हो रहे बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार के मामले को अवगत कराया हुआ है जिसकी की आज तक किसी भी प्रकार से कोई संज्ञान नहीं लिया गया है ।

और न ही भ्रष्टाचारियों के खिलाफ़ कोई जांच कर कार्यवाही की गई है। वहीं कर्मचारी राकेश रावत ने भ्रष्टाचारियों और विभाग में हो रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ़ संविधान के दायरे में रहकर अनुसूचित जाति लोकसेवक होने के नाते एक पद यात्रा निकालने की मांग की है,भ्रष्टाचार से संबंधित व लोकसेवा /जांच अधिकारी द्वारा लगातार किए जा रहे उत्पीड़न से आहत होकर सरकार व केडीए विभाग से संबंधित अधिकारियों को कर्मचारी के साथ किए जा रहे उत्पीड़न के साक्ष्य प्रस्तुत करेगा। अनुसूचित जाति के कर्मचारी राकेश रावत के अनुसार जो भी भ्रष्टाचार के खिलाफ जो भी क़दम उठाए जाएंगे वह बाबा भीमराव अंबेडकर जी के बनाए संविधान के दायरे में रह कर किए जाएंगे। तो वहीं कर्मचारी ने मोतीझील से लेकर मंडलायुक कार्यालय तक बिना किसी प्रकार से किसी भी तरह की कोई हानि के मौन पदयात्रा शांतिपूर्ण निकालने पर शासन व प्रशासन में कोई भी व्यवधान उत्पन्न नहीं करेगा। केडीए विभाग में कर्मचारी रहे राकेश रावत ने इस मौन पदयात्रा की अनुमति दी जाए की मांग रखी है।

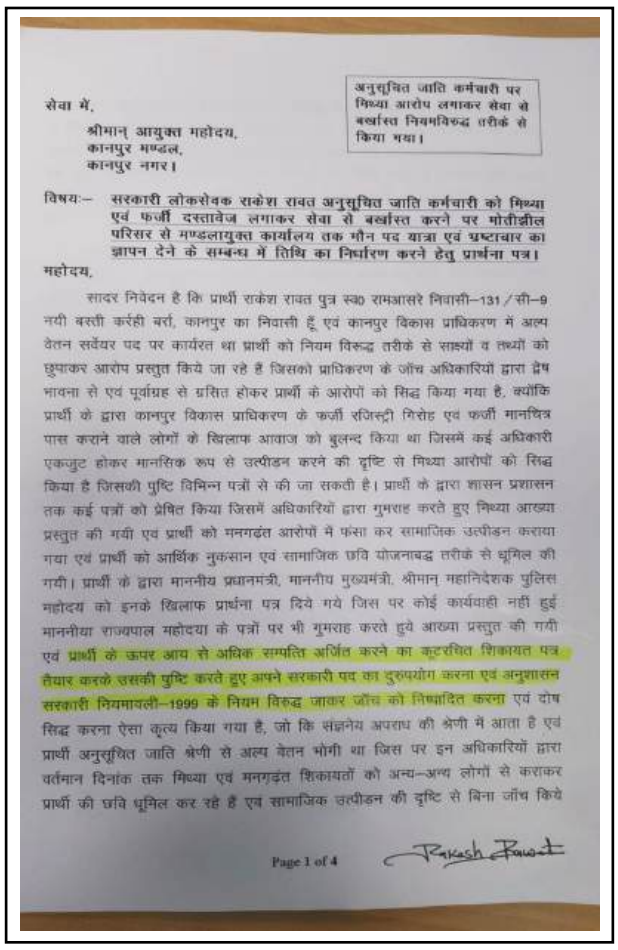

अनुसूचित जाति कर्मचारी पर मिथ्या आरोप लगाकर सेवा से बर्खास्त नियमविरुद्ध तरीके से किया गया।

सेवा में,

श्रीमान् आयुक्त महोदय,
कानपुर मण्डल,
कानपुर नगर।

विषयः— सरकारी लोकसेवक राकेश रावत अनुसूचित जाति कर्मचारी को मिथ्या एवं फर्जी दस्तावेज लगाकर सेवा से बर्खास्त करने पर मोतीझील परिसर से मण्डलायुक्त कार्यालय तक मौन पद यात्रा एवं भ्रष्टाचार का ज्ञापन देने के सम्बन्ध में तिथि का निर्धारण करने हेतु प्रार्थना पत्र।

महोदय,

सादर निवेदन है कि प्रार्थी राकेश रावत पुत्र स्व0 रामआसरे निवासी–131/सी–9 नयी बस्ती करहीं बर्रा, कानपुर का निवासी हूँ एवं कानपुर विकास प्राधिकरण में अल्प वेतन सर्वेयर पद पर कार्यरत था प्रार्थी को नियम विरूद्ध तरीके से साक्ष्यों व तथ्यों को छुपाकर आरोप प्रस्तुत किये जा रहे हैं जिसको प्राधिकरण के जाँच अधिकारियों द्वारा द्वेष भावना से एवं पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर प्रार्थी के आरोपों को सिद्ध किया गया है, क्योंकि प्रार्थी के द्वारा कानपुर विकास प्राधिकरण के फर्जी रजिस्ट्री गिरोह एवं फर्जी मानचित्र पास कराने वाले लोगों के खिलाफ आवाज को बुलन्द किया था जिसमें कई अधिकारी एकजुट होकर मानसिक रूप से उत्पीड़न करने की दृष्टि से मिथ्या आरोपों को सिद्ध किया है जिसकी पुष्टि विभिन्न पत्रों से की जा सकती है। प्रार्थी के द्वारा शासन प्रशासन तक कई पत्रों को प्रेषित किया जिसमें अधिकारियों द्वारा गुमराह करते हुए मिथ्या आख्या प्रस्तुत की गयी एवं प्रार्थी को मनगढ़ंत आरोपों में फंसा कर सामाजिक उत्पीड़न कराया गया एवं प्रार्थी को आर्थिक नुकसान एवं सामाजिक छवि योजनाबद्ध तरीके से धूमिल की गयी। प्रार्थी के द्वारा माननीय प्रधानमंत्री, माननीय मुख्यमंत्री, श्रीमान् महानिदेशक पुलिस महोदय को इनके खिलाफ प्रार्थना पत्र दिये गये जिस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई माननीया राज्यपाल महोदया के पत्रों पर भी गुमराह करते हुये आख्या प्रस्तुत की गयी एवं प्रार्थी के ऊपर आय से अधिक सम्पत्ति अर्जित करने का कूटरचित शिकायत पत्र तैयार करके उसकी पुष्टि करते हुए अपने सरकारी पद का दुरुपयोग करना एवं अनुशासन सरकारी नियमावली–1999 के नियम विरूद्ध जाकर जाँच को लिखादित करना एवं दोष सिद्ध करना ऐसा कृत्य किया गया है, जो कि संज्ञेय अपराध की श्रेणी में आता है एवं प्रार्थी अनुसूचित जाति श्रेणी से अल्प वेतन भोगी था जिस पर इन अधिकारियों द्वारा वर्तमान दिनांक तक मिथ्या एवं मनगढ़ंत शिकायतों को अन्य–अन्य लोगों से कराकर प्रार्थी की छवि धूमिल कर रहे हैं एवं सामाजिक उत्पीड़न की दृष्टि से बिना जाँच किये

Page 1 of 4

Rakesh Rawat

को-ऑपरेटिव बैंक एम्प्लॉइज यूनियन के प्रदेश महामंत्री का हुआ स्वागत

» बैंक कर्मचारियों की वर्षों से लंबित समस्याओं के निपटारे की रखी बात

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। जिला सहकारी बैंक लिमिटेड कानपुर के कर्मचारियों ने कोआपरेटिव बैंक इम्प्लाईज यूनियन के पदाधिकारियों का अपने जनपद में प्रथम आगमन पर जोरदार स्वागत किया ।सर्वप्रथम कानपुर यूनिट के अध्यक्ष प्रशान्त यादव, मंत्री आशीष कुमार एवं अन्य कर्मचारियों ने प्रदेश यूनियन के महामंत्री सुधीर कुमार सिंह, जितेन्द्र प्रताप सिंह एवं आशीष कुमार को भगवान श्रीराम का मोमेन्टो, अंगवस्त्र, पटका एवं पुष्पमाला पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान महामंत्री द्वारा अपने सम्बोधन में कानपुर यूनिट की सभी मांगो के सम्बन्ध में आश्वस्त किया गया कि नउनकी सभी समस्याओं का निस्तारण करवाए जाने का पूरा प्रयास किया जाएगा एवं यूनिट कानपुर के साथ केन्द्रीय यूनिट प्रत्येक दशा में साथ रहेगी और पुनरीक्षित वेतनमान प्रदान कराने में हर सम्भव प्रयास करेगी। कार्यक्रम का समापन कानपुर के यूनियन अध्यक्ष प्रशान्त यादव द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुये किया गया।

नाला सफाई को लेकर एक्शन में नगर आयुक्त सुधीर कुमार

» जोन–4 के अन्तर्गत सीसामऊ नाले का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नाले पर मशीन द्वारा कार्य होते हुये पाया गया

» नगर आयुक्त ने कहा कि अफसर नाला सफाई पर सतर्क दृष्टि बनाए रखें

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर । नगर आयुक्त सुधीर कुमार द्वारा कानपुर नगर निगम के सीमान्तर्गत विशेष नाला सफाई के

कार्य का निरीक्षण किया गया। सर्वप्रथम जोन-4 के अन्तर्गत सीसामऊ नाले का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नाले पर मशीन द्वारा कार्य होते हुये पाया गया, नगर आयुक्त द्वारा निर्देशित किया गया कि निकाली गयी सिल्ट की उठान की मात्रा का डेट-वाइज डिजिटल डायरी बनाकर नाले की सफाई का कार्य कराया जाये।इसी क्रम में चावला चौराहा के पास नाले का निरीक्षण किया जिसमे मौके पर श्रमिको द्वारा कार्य होते हुये पाया गया जिसपर निर्देशित किया गया कि सिल्ट निकालने व उठान का कार्य को तीव्रता के साथ किया जाये।

इसी क्रम में सी0एल0 चैराहे पर बने नाले का निरीक्षण किया गया जिसमें लेबर द्वारा कार्य होता पाया गया।

साथ ही निर्देश दिये गये कि नाले के ऊपर किये गये अतिक्रमण को तत्काल हटवाते हुए पूर्णरूप से सफाई तथा निकलने वाली सिल्ट की नाप–जोख की जाए। इसी प्रकार फजलगंज चौराहे के समीप नाला सफाई कार्य का निरीक्षण किया गया मौके पर पाया गया कि कर्मचारियों द्वारा सिल्ट निकालकर रोड के समीप डाली गई है जिससे सिल्ट का कीचड़ रोड तक फैला पाया गया

इस पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए जोनल स्वच्छता अधिकारी जोन 5 को फटकार लगाई गई एवं कड़े निर्देश दिए गए कि आज ही सिल्ट का उठान सुनिश्चित कराया जाए एवं यह ध्यान रखा जाए कि जहां–जहां से भी सिल्ट निकाली जा रही है उसे किसी भी प्रकार से रोड में गंदगी ना फैले ना ही यातायात अवरुद्ध हो निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त द्वारा सी0ओ0डी0 नाला का निरीक्षण किया गया ।

इस दौरान जोनल अभियंता द्वारा अवगत कराया गया कि यह नाला पूरे जोन में कवर्ड नाले के रूप में निर्मित है जिससे सफाई का कार्य शत–प्रतिशत ढंग से सुचारूप से नहीं हो पाता है। इस नाले को बीच–बीच में यथावश्यकतानुसार पंचर करके सिल्ट व मलबे को निकालना सुनिश्चित किया जाये। जिससे जल निकासी सुचारू रूप से हो सके। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त द्वितीय, मुख्य अभियंता(सिविल) एवं सम्बन्धित जोन के अधिशाषी अभियंता व अवर अभियंता उपस्थित रहे।

पाकिस्तान मुर्दाबाद... आवाज दो हम एक हैं

- पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में बिल्हौर में प्रदर्शन
- गुस्साए लोग सड़क पर उतरे
- पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगे
- आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की माँग की

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में लोगों का गुस्सा थमने का नाम नहीं ले रहा है। 26 टूरिस्टों की हत्या के विरोध में बिल्हौर में जगह-जगह विरोध प्रदर्शन किए गए। कहीं पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया तो कहीं पर कैंडल मार्च निकालकर विरोध प्रकट किया गया। पहलगाम में हुए 26 टूरिस्टों के नरसंहार के विरोध में शुक्रवार को बिल्हौर में ज्यादातर बाजार बंद रहे। व्यापारियों ने बाजार बंद का समर्थन किया है।दर्जनों लोगों ने सड़क पर उतर कर हाथों में तख्तियां लेकर विरोध प्रदर्शन किया और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए। इस दौरान लोग बोले भारत को पाकिस्तान के खिलाफ सख्त एक्शन लेना चाहिए। इस दौरान व्यापार संगठन समेत कई मोर्चों के लोग एवं दर्जनों वकील भी मौजूद रहे।

बिल्हौर में बंद बाजार

हिंदुस्तान से मोहब्बत करने वाले मुसलमान पाकिस्तान और दावते इस्लामी का करें मुकम्मल बायकॉट-सूफी कौसर मजीदी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सारे देश में उबाल है,28 पर्यटकों की नृशंस हत्या से इंसानियत से मोहब्बत करने वाले शदीद गम और गुस्से में हैं,देश के कोने कोने से आतंकियों के सफाए की मांग की जा रही है,और आतंक के जन्मदाता पाकिस्तान पर कार्रवाई की मांग की जा रही है,इसी क्रम में भारत के सूफियों के अग्रणी संगठन सूफ़ी खानकाह एसोसिएशन द्वारा,एक बार फिर पहलगाम मामले में वक्तव्य जारी किया गया है,जुमा के खुतबे के दौरान खानकाह फ़ैज़िया मजीदिया कानपुर नगर से बयान जारी करते हुए, सूफी खानकाह एसोसिएशन राष्ट्रीय अध्यक्ष सूफी मोहम्मद कौसर हसन मजीदी ने कहा कि,जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में हमारे हम वतनी भाइयों की हलाकत तकलीफ देने वाली है,ये हमारे मुल्क की ग़ैरत पर हमला है, उन्होंने कहा कि पिछले 75 सालों से हमारे सबसे ज़लील पड़ोसी पाकिस्तान ने लगातार ज़ख्म पर ज़ख्म दिए हैं, उन्होंने कहा कि ये बात काबिल ए जिक्र है कि 1971 की शिकस्त के बाद पाकिस्तान की सेना ने कहा था कि 卐हम भारत को इतने ज़ख्म देंगे कि उसके हर हिस्से से खून बहेगा卐 जिस पर अमल करते हुए पाकिस्तान लगातार भारत की अखंडता पर हमला करता चला आ रहा है।

उन्होंने कहा कि एक हिंदुस्तानी के नाते हमे भी अपने मुल्क के साथ खड़े होकर पाकिस्तान की मुखालफत करनी चाहिए, उन्होंने कहा कि इजराइल की फलिस्तीन पर जुल्म ओ बरबरियत की बिना पर उसके बायकॉट के ऐलान किए जाते हैं,तो क्या हमारे मुल्क के बेगुनाह शहरियों का खून बहाने वाले पाकिस्तान का बायकॉट नहीं होना चाहिए?

उन्होंने कहा कि क्या हमारे ऊपर जुल्म जुल्म नहीं है? क्या हमारे मुल्क के लोगों का खून खून नहीं है?

उन्होंने कहा कि हम वतन से मोहब्बत करने वाले हर मुसलमान से आज जुमा के खिताब में ये अपील करते हैं कि वो पाकिस्तान का बायकॉट करें, पाकिस्तान की बदनाम ज़माना दहशतगर्द मुल्लों इलियास और ज़लाली की तंजीम दावते इस्लामी का बायकॉट करें, उन्होंने कहा कि यह वही दावते इस्लामी है जिसने धांधुका गुजरात में, उदयपुर में और अमरावती में कत्ल करवाए,और ये वही ज़लील मुल्ला ज़लाली है,जिसने कश्मीर में जिहाद के फतवे देकर बेगुनाहों का खून बहाने में मदद की है।

उन्होंने कहा कि हम हुकूमत ए हिंद से भी मांग करते हैं कि दावते इस्लामी पर पाबंदी लगाई जाए, ज़लाली को आतंकी घोषित करते हुए उसके भारतीय समर्थकों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

सम्पादकीय

वैश्विक प्रयासों से रुकेंगे संगठित अपराध

यह खबर परेशान करने वाली है कि म्यांमार और पूर्वी एशिया के कई देशों से जो संगठित साइबर अपराध संचालित हो रहे हैं, उनके चंगुल में बड़ी संख्या में भारतीय युवा भी हैं। हाल ही में म्यांमार के दुर्गम इलाकों में बनाये गए साइबर अपराधियों के अड्डों से सत्तर भारतीय युवाओं को छुड़ाया गया है। जिनको डरा-धमकाकर भारत में साइबर अपराधों को अंजाम देने के लिये इस्तेमाल किया जाता था। बताया जाता है साल 2022 के बाद म्यांमार, थाईलैंड, लाओस, कंबोडिया आदि से छह सौ से अधिक भारतीयों को अपराधियों के चंगुल से बचाया जा चुका है। आशंका है कि कई हजार भारतीय युवा म्यांमार समेत विभिन्न देशों में साइबर अपराधियों के अड्डों में जबरन रोके गए हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारतीय युवा प्रतिभाएं दलालों की साजिश से संगठित साइबर अपराध करने वाले अंतर्राष्ट्रीय अपराधियों के चंगुल में फंस जाती हैं। विडंबना ही है कि हम अपने युवाओं को न तो रोजगार दे पा रहे हैं और न ही विदेशों में अपना भविष्य संवारने की आकांक्षा रखने वाले युवाओं को फर्जी एजेंटों के चंगुल से बचा पा रहे हैं। आखिर हमारी एजेंसियां ऐसी धोखाधड़ी करने वाले एजेंटों पर नकेल क्यों नहीं कस पा रही हैं। हाल के दिनों में कई ऐसे मामले प्रकाश में आए हैं कि युवा अपनी जमीन बेचकर व कर्ज उठाकर विदेश जाते हैं, लेकिन एजेंटों की धोखाधड़ी से वे साइबर अपराधियों के शिकंजे में फंस जाते हैं। दरअसल, साइबर अपराधियों का मकड़जाल इतना मजबूत हो चुका है कि बिना अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के उन पर नियंत्रण कर पाना संभव न होगा। ऐसे वक्त में जब साइबर अपराधियों का नेटवर्क दुनिया की आर्थिकी को चूना लगा रहा है, मिल-जुलकर इनके खिलाफ अभियान चलाना वक्त की जरूरत है। निश्चित रूप से यह एक विकट संकट है, जिसे दुनिया के देशों को गंभीरता से लेने की जरूरत है। यह जानते हुए कि साइबर अपराधियों का संगठन लगातार ताकतवर होता जा रहा है और वे समानांतर काली अर्थव्यवस्था चला रहे हैं।दरअसल, हो यह रहा है कि देश-दुनिया में ऑनलाइन फ्रॉड लगातार बढ़ते जा रहे हैं। वे सुनहरे सपने दिखाकर बेरोजगार युवाओं को फंसाते हैं। उन्हें जगह कोई और बतायी जाती है और अंततः साइबर अपराधियों के अड्डों पर पहुंचा दिया जाता है। युवाओं के पासपोर्ट छीन लिए जाते हैं। हाल ही में जिन सत्तर भारतीयों को म्यांमार में साइबर अपराधियों के चंगुल से मुक्त कराया गया, उसमें म्यांमार के सीमा सुरक्षा बल की बड़ी भूमिका रही है। इन मुक्त कराए गए भारतीयों में पंजाब, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना,यूपी व राजस्थान आदि राज्यों के लोग थे। इसी तरह म्यांमार व अन्य पूर्वी एशिया के देशों में साइबर अपराधियों के चंगुल में फंसे हुए भारतीयों को मुक्त कराने के लिए इन देशों की सरकारों से सहयोग मांगा जाना चाहिए।

नेताओं को बौना बना रही है संकीर्णता

विश्वनाथ सचदेव

भूल जाना आदमी की फितरत है। आदमी अच्छी बातें भी भूल जाता है, और बुरी बातें भी। बुरी बातों को भूल जाना तो अच्छी बात है, पर कुछ अच्छी बातों को भूल जाना अच्छा नहीं है। ऐसी ही अच्छी बात वर्ष 1965 की भारत-पाक लड़ाई है, जिसमें भारत ने पाकिस्तान को मात दी थी। पता नहीं कितनों को याद होगा कि उस लड़ाई में अब्दुल हमीद नाम का एक भारतीय सैनिक भी था, जिसने पाकिस्तानी टैंकों को नष्ट करके हमारी जीत को संभव बना दिया था। तब क्वार्टर मास्टर अब्दुल हमीद ने हमें जिता तो दिया, पर अपनी जान की कीमत देकर। कृतज्ञ राष्ट्र ने उस जांबाज शहीद को मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया था।इस शहीद का जन्म उत्तर प्रदेश के दुल्लहपुर नामक गांव में हुआ था।

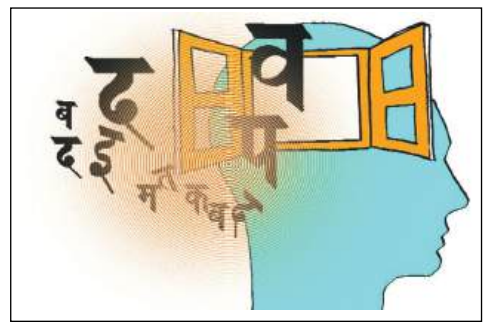

गांव वालों ने अपने इस सपूत के सम्मान में गांव के स्कूल का नाम वीर अब्दुल हमीद उच्च प्राथमिक विद्यालय रखा था। बरसों से यह नाम गांव की एक पहचान बना हुआ था। कुछ ही अर्सा पहले स्कूल का नाम बदल दिया गया- नया नाम पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय धामपुर कर दिया गया। क्यों बदला गया, किसी ने नहीं बताया। बस बदल दिया।नाम बदलने की यह अकेली घटना नहीं है। कुछ दिन पहले ही उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से मऊ को जोड़ने वाली सड़क पर बने एक द्वार का नाम ऐसे ही बदल दिया गया था। ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान के नाम का यह द्वार बुलडोजर चला कर गिरा दिया गया। मुख्तार अहमद अंसारी के नाम पर बने एक कॉलेज की दीवारें गिरा देने वाला समाचार भी हाल ही का है। यह बात भुला दी गयी कि मुख्तार अहमद अंसारी कभी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। आज़ादी की लड़ाई के दौरान यह पद संभालने वाले अंसारी जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी की नींव रखने वालों में थे।नाम बदलने का यह सिलसिला अब नया नहीं लगता। चौंकाता भी नहीं। पिछले दो दशकों में न जाने कितनी जगह के नाम बदले गये हैं। ज्यादातर नाम मुसलमानों के हैं। सवाल उठता है कि ऐसा क्यों? नाम बदलने से इतिहास नहीं बदलता। औरंगजेब ने भले ही अत्याचार किये हों, पर वह वर्षों तक इस देश में शासन करता रहा, यह हकीकत तो अपनी जगह है। फिर, हम क्यों भूल जाते हैं कि किसी औरंगजेब को याद करने का मतलब उन अत्याचारों की भी याद दिलाता है, जिनसे हमारे इतिहास के पन्ने भरे हुए हैं। ऐसी बातों को याद रखना इसलिए भी ज़रूरी है कि इन्हें दुहराया न जाये।बहरहाल, जगहों के नाम बदलना कोई नयी बात नहीं है। पर इस प्रक्रिया के पीछे की मानसिकता को भी समझा जाना चाहिए। ऐसा नहीं है कि शहरों आदि के नाम बदलने का काम सिर्फ भाजपा शासित राज्यों में ही हो रहा है। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, द्रमुक आदि पार्टियों ने भी अपने-अपने शासन काल में इस तरह नाम बदले हैं। सच्चाई यह है कि अक्सर यह बदलाव राजनीतिक स्वार्थ का परिणाम होते हैं। अपने-अपने हितों के लिए हमारे राजनीतिक दल अक्सर जगहों का नाम बदलना एक आसान मार्ग समझ लेते हैं। लेकिन, यह आसान मार्ग अक्सर राष्ट्रीय हितों से भटका देता है, इस बात को भुलाना अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है।देश में, विशेषकर उत्तर प्रदेश में नाम बदलने की जो कवायद इस समय चल रही है वह उन सबके लिए चिंता का विषय होनी चाहिए जो राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देते हैं। सन? 2012 से 2022 के बीच उत्तर प्रदेश में 11 जिलों के नाम बदले गये थे?

बढ़ गया है विसंगतियों को प्रश्रय का खतरा

उत्तराखंड में नया भूमि कानून

जयसिंह रावत

अब तक गैर-कृषक के लिये जमीनों की खरीद पर बंदिशें थीं, लेकिन अब जिसकी भी उत्तराखंड में अचल सम्पत्तियां हैं उनके लिये भी किसानों की जमीनें खरीदने का रास्ता निकल गया है।उत्तराखंड की धामी सरकार ने नया भूमि कानून पास तो करा दिया है, लेकिन इस कानून से पहाड़वासियों की नाउम्मीदी ज्यादा बढ़ गयी है। सरकारी पक्ष नये कानून को सख्त बताकर प्रचारित कर रहा है, लेकिन गरीब कास्तकारों के पुरखों की जमीनों के भू-खोरों, धन्नासेठों और गैर-कृषकों द्वारा हड़पने के नये रास्ते खुले बताते हैं।

हालांकि, किसी देशवासी के लिये बाहरी शब्द का प्रयोग उचित नहीं है फिर भी जिन लोगों को बाहरी माना जा रहा है, उनके लिये उत्तराखंड में जमीनें खरीदने के लिये पिछले दरवाजे खुले हैं। अब तक गैर-कृषक के लिये जमीनों की खरीद पर बंदिशें थीं, लेकिन अब जिसकी भी उत्तराखंड में अचल सम्पत्तियां हैं उनके लिये भी किसानों की जमीनें खरीदने का रास्ता निकल गया है मगर नगर निकाय चाहे कहीं की भी हों, उन्हें इस कानून से मुक्त कर दिया। विधि विशेषज्ञ और भू-कानून के लिए आन्दोलन करने वाले इसे प्रदेश की जनता के साथ छलावा बता रहे हैं।नये कानून की धारा दो में कहा गया है कि 'नगर निगम, नगर पंचायत, नगरपालिका परिषद, छावनी

परिषद क्षेत्रों की सीमा के अन्तर्गत आने वाले और समय-समय पर सम्मिलित किये जा सकने वाले क्षेत्रों को छोड़कर यह कानून सम्पूर्ण उत्तराखंड राज्य में लागू होगा।' उत्तराखंड की विषम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण लोग गांव छोड़कर आसपास के कस्बों में बहुत तेजी से बस रहे हैं इन्हीं नगरीय क्षेत्रों में भूमि की सर्वाधिक खरीद-फरोख्त होती है।शिक्षा, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, उद्यान, पर्यटन, के लिये निजी न्यास, संस्था, कम्पनी, फर्म, पंजीकृत सहकारी संस्था आदि के लिए भूमि का अन्तरण पर पहले भी प्रतिबंध नहीं था। नयी व्यवस्था में अगर भूमि का अन्तरण जनहित में है तो जमीन चाहने वालों का वास्तविक आंकलन कर भूमि अनिवार्यता प्रमाणपत्र जारी किया जायेगा। साथ ही अन्तरण अनुमति से पूर्व सम्बंधित विभागों द्वारा निवेश की मात्रा, रोजगार सृजन तथा प्लांट और मशीनरी इत्यादि के परिप्रेक्ष्य में प्रस्ताव का आंकलन करते हुए भूमि अनिवार्यता प्रमाणपत्र विभागाध्यक्ष या एक रैंक नीचे के अधिकारी द्वारा जारी किया जायेगा।

कानून में यह भी स्पष्ट किया गया है कि भूमि अन्तरण की अनुमति केवल हरिद्वार और उधमसिंह नगर में दी जायेगी। अगर भूमि की खरीद-फरोख्त की बंदिशें शेष 11 जिलों के लिये हैं तो उन पहाड़ी जिलों के नगर निकाय क्षेत्र इन दो जिलों की तरह कानून से मुक्त क्यों कर दिये गये? नये कानून में व्यवस्था की गयी है कि अगर कोई व्यक्ति जो धारा 129 के तहत उत्तराखंड का खातेदार न हो तो उसे रजिस्ट्रार के सामने शपथपत्र देना होगा कि उसके परिवार के किसी भी सदस्य ने आवासीय उद्देश्य के लिये अपने जीवनकाल में 250 वर्गमीटर जमीन नहीं खरीदी है। सरकार को शिकायतें मिली थीं कि कानून का दुरुपयोग करते हुए कुछ लोगों ने परिवार के अन्य सदस्यों के नाम भी 250 वर्गमीटर जमीनें खरीद ली हैं। जबकि मूल कानून में व्यवस्था थी कि एक परिवार एक ही बार जमीन खरीद सकेगा।

रोज एक्सरसाइज, जवां त्वचा और सेहत का राज!

फिटनेस मंत्रा

हार्मोनल बदलाव की वजह से 30 से 40 साल की उम्र की महिलाओं को मेटाबॉलिज्म भी धीमा हो जाता है। जिसकी वजह से महिलाओं को पाचन संबंधी समस्या और वजन आदि बढ़ने लगता है। वहीं 30 से 40 साल की उम्र में हेल्दी और फिट रहने के लिए महिलाओं को एक्सरसाइज जरूर करना चाहिए।

हर महिला के लिए 30-40 साल की उम्र का समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। क्योंकि इस दौरान महिलाओं के शरीर में कई तरह के हार्मोनल बदलाव होते हैं। जो महिलाओं के शारीरिक और मानसिक स्थिति को प्रभावित करते हैं। इन हार्मोनल बदलाव की वजह से 30 से 40 साल की उम्र की महिलाओं को मेटाबॉलिज्म भी धीमा हो जाता है। जिसकी वजह से महिलाओं को पाचन संबंधी समस्या और वजन आदि बढ़ने लगता है।

वहीं 30 से 40 साल की उम्र में हेल्दी और फिट रहने के लिए महिलाओं को एक्सरसाइज जरूर करना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि इस उम्र में महिलाओं को कौन सी एक्सरसाइज करना चाहिए।

कार्डियो एक्सरसाइज

रोजाना 30 से 40 साल की उम्र वाली महिलाओं को कार्डियो एक्सरसाइज करना चाहिए। क्योंकि इससे आपकी दिल की सेहत में सुधार होता है और वेट कंट्रोल होता है। इसलिए रोजाना 30 मिनट जॉगिंग, वॉकिंग, स्विमिंग या साइकिलिंग जैसी एक्सरसाइज करना चाहिए। कार्डियो करने से उम्र के साथ हार्मोन असंतुलन भी ठीक होता है।

पिलाटेज

रोजाना 20 से 25 मिनट तक पिलाटेज एक्सरसाइज करने से महिलाओं की कोर स्ट्रेंथ मजबूत होती है और बैलेंस को मेंनटेन करने में सहायता मिलती है। वहीं 30 उम्र के बाद कमर, पीठ और शरीर के दर्द से राहत मिलती है।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करने से महिलाओं की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इसलिए रोजाना पुशअप्स, स्क्वाट्स और वेट लिफ्टिंग जैसी एक्सरसाइज करना महिलाओं के लिए फायदेमंद होता है।

हाई-इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग

वहीं 30 साल की उम्र के बाद मेटाबॉलिज्म को स्ट्रांग बनाने और वेट लॉस में हाई-इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग लाभकारी होती है। यह एक्सरसाइज करने से शरीर की एक्स्ट्रा कैलोरी कम करने और फिट रहने में सहायता मिलती है।

ब्रीदिंग और बैलेंसिंग एक्सरसाइज बता दें कि सांस संबंधित एक्सरसाइज जैसे डीप ब्रीदिंग और प्राणायाम करने से मानसिक तनाव कम होता है। वहीं रोजाना ब्रीदिंग करने से शरीर को पर्याप्त रूप से ऑक्सीजन मिलता है, जिससे शरीर का विषाक्त पदार्थ बाहर निकालने में सहायता मिलती है।

वहीं बैलेंस एक्सरसाइज करने से सही तरीके से चलने और उठने-बैठने में आसानी होती है।

डिस्क्लेमर- इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

अप्रैल टूर, फैमिली फन, क्या ख्याल है?

अप्रैल साल का एक ऐसा महीना होता है, जब देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी पड़ती है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अप्रैल की चिलचिलाती गर्मी में फैमिली के साथ ठंडी-ठंडी जगहों पर पहुंच सकते हैं।

हर कोई परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताना चाहता है। इसलिए जब भी लोगों को समय मिलता है, तो वह अपने परिवार के साथ पसंदीदा जगहों पर पहुंच जाते हैं। अप्रैल के महीने में कई लोग अपने परिवार के साथ घूमने-फिरने के लिए निकलते हैं।

लेकिन लोग सही जगह का चुनाव नहीं कर पाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं,

बेताब वैली

जब भी जम्मू-कश्मीर में घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले गुलमर्ग, श्रीनगर या फिर सोनमर्ग का नाम लेते हैं। लेकिन आप इन सभी से हसीन बेताब वैली को एक्सप्लोर कर सकते हैं। यह वैली जम्मू-कश्मीर का वह छिपा हुआ खजाना है, जिसकी खूबसूरती देखकर आप खुशी से झूम उठेंगे।

बेताब वैली में घास के मैदान, शांत और शुद्ध वातावरण और झील झरने इसकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं। वहीं बॉलीवुड की कई फिल्मों की यहां पर शूटिंग हो चुकी है। अप्रैल के महीने में यहां का तापमान एकदम सुहावना रहता है।

मुनस्यारी

उत्तराखंड के पिथौराग? जिले में स्थित मुनस्यारी सबसे खूबसूरत और शानदार हिल स्टेशन माना जाता है। यह एक ऐसा हिल स्टेशन है, जो नेपाल और तिब्बत की सीमा के पास स्थित है। उत्तराखंड में स्थित मुनस्यारी को छोटा कश्मीर भी कहा जाता है। अप्रैल के महीने में मुनस्यारी में हजारों की संख्या में पर्यटक घूमने के लिए आते हैं। इस महीने यहां का तापमान 5एष्ट से 16एष्ट के बीच रहता है।

मुनस्यारी में आप थमरी कुंड, बेतुली धार, खलिया टॉप और नंदा देवी मंदिर जैसी जगहों पर घूमने जा सकते हैं।

इन जगहों को करें एक्सप्लोर अप्रैल की इस चिलचिलाती गर्मी से बचने के लिए आप उत्तर भारत की कई अन्य शानदार जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। काजा जम्मू कश्मीर में पहलगाम और पटनीटॉप जैसी शानदार और बेहतरीन जगहों को अपना डेस्टिनेशन पॉइंट बना सकते हैं।

रंगों का मेल, लहंगा बेहतरीन!

घरेलू नुस्खे

अगर आप बिना सोचे समझे लहंगे के कलर कॉम्बिनेशन को पहनती हैं, तो यह आपके पूरे लुक को बिगाड़ सकता है। हर स्किन टोन का अपना कलर होता है, जो उनपर अच्छा लगता है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि स्किन टोन के आधार पर आप लहंगे के कलर के किन कॉम्बिनेशन का चुनाव कर सकती हैं।

बता दें कि अगर आप बिना सोचे समझे लहंगे के कलर कॉम्बिनेशन को पहनती हैं, तो यह आपके पूरे लुक को बिगाड़ सकता है।

हालांकि लहंगे के कलर कॉम्बिनेशन के ऑप्शन में कोई कमी नहीं है। इसके लिए जरूरी है कि आप अपने लिए सही कलर कॉम्बिनेशन चुनें। हर स्किन टोन का अपना कलर होता है, जो उनपर अच्छा लगता है।

फेयर स्किन टोन

अगर आपकी रंगत फेयर है तो आप लाइट और डार्क शेड्स दोनों ही पहन सकती हैं।

हालांकि कुछ रंग आपकी रंगत को फीका दिखा सकते हैं। इसलिए आपको बहुत ज्यादा क्रीम, बेज या फिर सुपर ब्राइट नियॉन शेड्स से बचना चाहिए। फेयर स्किन टोन के लिए आपको मैरून, डीप पर्पल, नेवी, लैवेंडर, एमरेल्ड ग्रीन, रॉयल ब्लू, ब्लश पिंक, पीच, आइसी ब्लू और पाउडर पिंक या फिर गोल्ड व सिल्वर कलर पहनना चाहिए।

मीडियम स्किन टोन

मीडियम स्किन टोन एक बेहद वर्सेटाइन स्किन टोन है। इसके कलर कॉम्बिनेशन में आपके पास ऑप्शन की कमी नहीं होगी।

इस स्किन टोन वाली महिलाएं ऑलिव ग्रीन, रूबी रेड, मिंट ग्रीन, मस्टर्ड, डीप रेड, डस्की पिंक जैसे कलर्स कैरी कर सकती हैं।

प्रयास करें कि आप अधिक लाइट पेस्टल शेड्स या फिर नियॉन ग्रीन, नियॉन येलो जैसे रंगों को इग्नोर करें। अगर आप लहंगे में कलर कॉम्बिनेशन पहनना चाहती हैं, तो आप रॉयल ब्लू के साथ सिल्वर, डीप रेड के साथ गोल्ड या फिर ऑलिव ग्रीन के साथ ब्रॉन्ज जैसे कलर्स को साथ में पेयर कर सकती हैं।

डस्की स्किन टोन

इस स्किन टोन वाली महिलाएं ब्राइट और बोल्ड कलर्स को अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं।

ऐसे में आप कोबाल्ट ब्लू, ब्राइट रेड, हॉट पिंक, मैजेंटा, टैंगरीन से लेकर चॉकलेट ब्राउन, मस्टर्ड, डीप ग्रीन या एमरेल्ड को अपने रूटीन में शामिल कर सकती हैं।

मंडलायुक्त ने की गेहूँ क्रय खरीद की समीक्षा

मण्डलायुक्त ने समस्त अधिकारियों को अगले एक सप्ताह में खरीद लक्ष्य पाने के निर्देश दिए व कम खरीद पर सम्बंधित के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। शिविर कार्यालय में मण्डलायुक्त के. विजयेंद्र पाण्डियन की अध्यक्षता में गेहूँ क्रय के सम्बन्ध में बैठक हुई। मण्डलायुक्त ने कहा कि लक्ष्य के अनुरूप गेहूँ क्रय की गति बढ़ाई जाये। क्रय केंद्रों पर आने वाले किसानों की पूरी सहायता की जाये। गेहूँ क्रय में रूचि न लेने वाले विपणन निरीक्षकों की जवाबदेही तय की जाये। ग्रामों में जाकर किसानों से संवाद किया जाये। प्रतिदिन गेहूँ क्रय की प्रगति की समीक्षा की जाये। क्रय में अन्य सम्बंधित विभागों से समन्वय बनाकर कार्य किया जाये। उन्होंने सम्बंधित को निर्देश दिए कि गेहूँ क्रय में विपणन विभाग का पूर्ण सहयोग किया जाये। विपणन निरीक्षक के साथ प्रतिदिन क्रय की समीक्षा की जाये।

मंडलायुक्त ने उत्तर प्रदेश उपभोक्ता सहकारी संघ (यूपीएसएस) द्वारा रबी क्रय वर्ष 2025–26 के अंतर्गत 13 स्वीकृत क्रय केंद्रों पर मात्र 5.67 प्रतिशत गेहूं खरीद की गयी, जिस पर मण्डलायुक्त ने नाराज़गी व्यक्त की। उन्होंने कम खरीद करने वाले सम्बंधित एजेंसी और अधिकारियो के विरुद्ध कार्रवाई की चेतावनी जारी करने के सम्बंधित को निर्देश दिए । बता दें, इस अवधि में अब तक भारतीय खाद्य निगम द्वारा गेहूं खरीद प्रतिशत सबसे अधिक 36.28 है। उन्होंने मंडी परिषद द्वारा केवल 5 क्रय केंद्रों पर खरीद की गयी। मण्डलायुक्त ने समस्त अधिकारियों को अगले एक सप्ताह में खरीद लक्ष्य पाने के निर्देश दिए व कम खरीद पर सम्बंधित के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि मण्डल में गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 प्रति कुंतल के आधार पर 17 मार्च 2025 से 15 जून 2025 तक की क्रय अवधि है। मण्डल में क्रय हेतु कुल 17842 कृषक पंजीकृत हैं।

स्वराज इंडिया की खबर से जागा जल निगम

जल जीवन मिशन के भ्रष्टाचार झेल रहे गांव वाले...

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विकासखंड मलासा के ग्राम कैलई के माजरा कलेनापुर में बीते एक सप्ताह से पंचायत क्षेत्र की पेयजल लाइन में लीकेज होने से लाखों लीटर पानी प्रतिदिन मोहल्लों और गलियों में व्यर्थ बह रहा था। इससे जगह-जगह जलभराव हो गया था, और कई मोहल्लों में नलों के टूटे स्टैंड पोस्ट के कारण पानी बर्बाद हो रहा था। इस वजह से ग्रामीणों के घरों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा था और उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

गांव में जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत हर घर जल पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट थी। कहीं सड़कों की हालत खराब थी, कहीं पानी की पाइप लाइन फटी हुई थी। कई स्थानों पर पानी की आपूर्ति पूरी तरह ठप थी, तो कहीं लीकेज से पानी बर्बाद हो रहा था। यह स्थिति योजनाओं की असफलता और भ्रष्टाचार की ओर साफ इशारा कर रही थी।

स्वराज इंडिया की खबर ने जगाई जिम्मेदारों की नींद-

गांव की इस गंभीर समस्या को लेकर जल जीवन मिशन के भ्रष्टाचार झेल रहे गांव वाले शीर्षक से स्वराज इंडिया अखबार ने दिनांक 21 अप्रैल 2025, सोमवार को पृष्ठ संख्या 9 पर खबर प्रकाशित की। खबर को प्रमुखता से छापे जाने के बाद जल निगम के सहायक अभियंता संजय सिंह ने तत्काल संज्ञान लिया। खबर के प्रकाशन के बाद सहायक अभियंता ने कार्यदायी संस्था के जूनियर इंजीनियर रामदेव और जल निगम की जेई अंकिता को मौके पर जाकर तत्काल मरम्मत कार्य कराने के निर्देश दिए। इसके बाद जल निगम विभाग की जेई अंकिता ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और फटी हुई पाइपलाइन की मरम्मत कराई।

स्वराज इंडिया
Swaraj India
21 Apr 2025 - Page 9

जलजीवन मिशन के भ्रष्टाचार झेल रहे गांव वाले

» पाइप लाइन से लीकेज होने से सड़क पर बह रहा पानी
» सूचना देने के बाद भी नहीं कराया जा रहा ठीक गांव के ग्रामीण परेशान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो
कानपुर देहात। विकास खंड मलासा के ग्राम कैलई का मजरा कलेनापुर में एक हफ्ता से पंचायत में पेयजल लाइन लीकेज होने से रोजाना लाखों लीटर पानी मोहल्ले व गलियों में बह रहा है। इससे जगह-जगह जलभराव हो गया है। कई मोहल्लों में टंकी में टोंटी न होने से पानी नालियों में बह रहा है। इससे लोगों के घरों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है। इससे लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

गांव की सड़कों में बह रहा पेयजल

जल जीवन मिशन योजना का गावों में बुरा हाल चल रहा है कही तो रोड खराब तो कही पानी नही कही टोटी नहीं हर घर तक जल पहुंचाने के लिए लाख प्रयास लेकिन सब फेल नजर आ रहे हैं। पाइप लाइन में लीकेज होने से गांव के ग्रामीण सौरभ, महराम, कल्लू ,लाल, आदि लोगों ने अपनी परेशानी स्वराज इंडिया के कैमरे ने बताई है। वही गांव में प्रत्येक मोहल्लों की सड़के खोदकर पाइप लाइन डाली गई। पाइप लाइन डालने के बाद मानक के अनुसार सड़क सही नहीं की गई। जब पाइप लाइन डालने के बाद इसका ट्रायल लिया गया तो लीकेज की बात सामने आई। इससे लाखों लीटर पानी प्रतिदिन बर्बाद हो रहा है। वही जलभराव के कारण लोगों को आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई मोहल्लो में टंकी में टोंटी न होने से पानी नालियों में बह रहा है। लगातार लोग पानी न आने व लीकेज होने की शिकायत कर रहे हैं लेकिन जल निगम के कान में जूं तक नहीं रेंग रही है।

क्या बोले जल निगम के अफसर...

इस प्रकरण को लेकर जल निगम के सहायक अभियंता संजय सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी नहीं है। जल्द ही ग्रामीणों की समस्या का समाधान हो जाएगा। कार्यदाई संस्था के इंजीनियर रामदेव ने बताया कि जल्द ही लीकेज लाइन की मरम्मत करी जाएगी।

मरम्मत के बाद बहाल हुई जल आपूर्ति

मरम्मत कार्य पूरा होते ही गांव में पानी की आपूर्ति फिर से शुरू हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि अब पाइपलाइन सही कर दी गई है और नियमित रूप से जल मिलना शुरू हो गया है। इससे गांव के लोगों को बड़ी राहत मिली है। ग्रामीणों ने जताया आभार स्वराज इंडिया अखबार द्वारा समस्या को प्रमुखता से उठाए जाने पर ग्रामीणों ने अखबार की कानपुर देहात टीम को हार्दिक धन्यवाद और आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि मीडिया उनकी आवाज न उठाता, तो यह समस्या यूं ही बनी रहती।

एसपी अरविन्द मिश्र ने ली परेड की सलामी, बल्वा ड्रिल का कराया पूर्वाभ्यास

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। पुलिस अधीक्षक अरविन्द मिश्र ने पुलिस लाइन पहुंचकर परेड की सलामी ली और परेड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के पश्चात उन्होंने परेड में एकरूपता व अनुशासन बनाए रखने के उद्देश्य से टोलीवार ड्रिल करवाई।

इस दौरान उन्होंने ड्रिल अभ्यास के तहत की जाने वाली कार्यवाहियों की जानकारी भी अधिकारियों और जवानों को दी। जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने तथा आकस्मिक परिस्थितियों में सुरक्षा व शांति बनाए रखने के साथ ही समाज में सुरक्षित एवं भयमुक्त वातावरण स्थापित करने के उद्देश्य से बल्वा ड्रिल का पूर्वाभ्यास कराया गया। इसमें अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों ने भाग लिया।

पुलिस अधीक्षक ने पुनः स्थापित की निरीक्षण शैली-

इसके उपरांत पुलिस अधीक्षक मिश्र ने क्वार्टर गार्ड, कंट्रोल रूम, महिला थाना, वर्दी स्टोर, पुलिस कैंटीन, पुलिस बैरक, रिक्रूट आरक्षियों की बैरक, परिवहन शाखा, यातायात शाखा तथा यूपी 112 के वाहनों का भी निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने हिस्ट्री बुक, इवेंट पुस्तिका समेत अन्य अभिलेखों की बारीकी से जांच की और सभी संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

भोगनीपुर : हाईवे पर दौड़ रही खतरे की ट्रॉलियों के स्टंट से सहमे राहगीर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत कानपुर-झांसी हाईवे पर डींघ मुरलीपुर मार्ग से गुजरते समय एक बड़ी समस्या सामने आ रही है। यहां कच्ची ईंटों से भरी ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉलियां हाईवे पर चढ़ाई जाती हैं, जिससे ट्रैक्टर के आगे के दोनों पहिए ऊपर उठ जाते हैं। इससे ट्रॉली के पलटने का खतरा बना रहता है और आसपास खड़े राहगीर भयभीत हो जाते हैं। खासकर डींघ चौराहे पर सवारी का इंतजार कर रहे लोग तथा हाईवे पर चलने वाले बाइक और कार सवारों में दहशत का माहौल बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह नजारा लगभग हर सुबह देखने को मिलता है। बृहस्पतिवार को ऐसा ही एक दृश्य स्वराज इंडिया के कैमरे में कैद हुआ, जिसमें एक ट्रैक्टर चालक तेज गति से स्टंट करते हुए नजर आया। वीडियो में देखा जा सकता है कि ट्रॉली का अगला हिस्सा हवा में उठ रहा है और आसपास खड़े लोग जान बचाने के लिए दूर भागते दिखे।

ओवरलोडिंग से स्टंट करती हैं ट्रैक्टर ट्रालियां

सड़कें उखड़ रहीं, नियमों की उड़ रही धज्जिया

डींघ मुरलीपुर मार्ग पर स्थित एक ईंट भट्ठे से कच्ची ईंटों की पथाई के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में ओवरलोड भरकर उन्हें हाईवे पर दौड़ाया जाता है। इन वाहनों के भारी दबाव के चलते छह महीने पहले बनी सड़क उखड़ चुकी है। इतना ही नहीं, ट्रैक्टर चालक कई बार हाईवे पर उल्टी दिशा में भी दौड़ते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा कई गुना बढ़ गया है।

बिना पंजीकरण चल रही ट्रॉलियां बन गईं जानलेवा

स्थानीय लोगों ने बताया कि भोगनीपुर तहसील क्षेत्र में संचालित कई ईंट भट्ठों के मालिक कृषि प्रयोजन के नाम पर पंजीकृत ट्रैक्टर-ट्रॉलियों का वाणिज्यिक उपयोग कर रहे हैं। ये वाहन न केवल बिना पंजीकरण चलाए जा रहे हैं, बल्कि उन पर क्षमता से अधिक ईंटें लादकर खुलेआम सड़क सुरक्षा नियमों की धज्जियाँ उड़ाई जा रही हैं।

प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग

क्षेत्रीय जनता ने जिला प्रशासन और पुलिस विभाग से मांग की है कि ऐसे ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाई गई सड़कों को नुकसान पहुंचाने वालों पर भारी जुर्माना लगाया जाए। अब देखने वाली बात होगी कि जिला प्रशासन इस गंभीर समस्या पर क्या कदम उठाता है, या फिर ये ट्रॉली चालक यूं ही मनमानी करते रहेंगे।

खेत में लगी भीषण आग, चौकी इंचार्ज ने उठाए गेहूं के गट्ठे

- पुलिस ने बचाई किसानों की फसल,
- तमाम कोशिश के बाद भी लगभग पांच बीघा खेत जलकर राख हो गया।

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सिकंदरा के बकसौंधी गांव में गुरुवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब अचानक भीषण आग ने किसानों की गेहूं की खड़ी फसल को चपेट में ले लिया। आग लगने की इस घटना में लगभग पांच बीघा खेत जलकर राख हो गया।बताया जा रहा है कि आग गांव के ही किसान बंशीवाले और जयपाल कुमार के खेतों में लगी। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि ग्रामीणों के तमाम प्रयासों के बावजूद वह तेजी से फैलती रही। ग्रामीणों ने लाठी-डंडों से गट्ठों को बचाने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली।

फरिश्ता बनकर पहुंचे स्थानीय चौकी इंचार्ज-

सूचना मिलते ही राजपुर चौकी इंचार्ज सूरजपाल सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। मौके की भयावहता को देखते हुए चौकी इंचार्ज सूरजपाल सिंह ने मानवीय संवेदना दिखाते हुए खुद चिलचिलाती धूप में गेंहूँ के भारी-भरकम गट्ठे उठाकर सुरक्षित स्थान पर रखने शुरू कर दिए। उनका यह प्रयास सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और लोग उनकी सराहना कर रहे हैं।

अग्निशमन की टीम आग पर पाया काबू-

सूचना पर पहुंची अग्निशमन टीम ने आग पर काबू पाया। थाना प्रभारी काली चरण ने बताया कि आग से किसानों को अनाज का नुकसान हुआ है, जिसका लेखपाल द्वारा सर्वे कराया गया है मामले में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

आंधी-पानी से 6 दिन से ठप बिजली सप्लाई

स्वराज इंडिया संवाददाता

निंदूरा(बाराबंकी)। विद्युत उपकेंद्र कुर्सी में बिजली कटौती का दंश झेल रहे लोगों में आक्रोश बढ़ने लगा है। आंधी-पानी से ठप सप्लाई छह दिन गुजर जाने के बाद भी सामान्य नहीं की जा सकी है। बिजली न मिलने से जहां घरों में पीने के पानी की समस्या उत्पन्न हो रही है तो वही दुकानदारों की दुकानदारी प्रभावित हो रही है।

शुक्रवार को आई आंधी से धराशायी खंभे अब तक दुरुस्त नहीं किए जा सके हैं। रीवा सीवा में तो एक सप्ताह से बिजली गुल है, लेकिन जिम्मेदार संसाधन उपलब्ध नहीं होने की बात कहकर पल्ला झाड़ रहे हैं। इतना ही नहीं सप्लाई बंद रहने से कई गांवों में पेयजल का भी संकट गहराता जा रहा है।

जिसमें सबसे अधिक दुकानदारों को हो रही है। रीवा सीवा में कई स्थानों पर आंधी में टूटे पोल अभी तक बदले नहीं जा सके हैं। इसकी वजह से बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। भीषण गर्मी में लोग बिलबिला उठे हैं। बिजली न होने से लोग पानी के लिए भी परेशान हैं, बिजली के नहीं होने से घरों में लगे पानी के मोटर भी बंद है।लोग पानी के लिए इधर-उधर भटक रहे हैं।

कस्बा निवासी होटल संचालक राकेश यादव ने बताया कि एक सप्ताह से बिजली गुल है। शाम होते ही चौराहे पर अंधेरा व्याप्त हो जाता है जिसके चलते दुकानदारी भी प्रभावित हो रही है। मेडिकल स्टोर संचालक अनिल कुमार ने बताया कि बिजली न मिलने से फ्रीज नहीं चल पा रही है। फ्रीज में रखे वैक्सीन की कूलिंग जनरेटर चलाना पड़ रहा है।

दुकानदार सचिदानंद मौर्य,अनिल साहू,राजमल विश्वकर्मा आदि का कहना है कि बार-बार शिकायतों के बाद भी सुनाई नहीं हो रही है। दुकानदारों का कहना है कि अगर कल तक बिजली नहीं आई तो वो सभी धरना प्रदर्शन को बाध्य होंगे। इस संबंध में एसडीओ सर्वेश पाल ने बताया कि मामला जानकारी में नहीं अगर ऐसा है जल्द ही विद्युत आपूर्ति बहाल की जाएगी ।

हाईस्कूल में अभिषेक यादव ने बाराबंकी का नाम किया रोशन

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज रामसनेहीघाट के हाईस्कूल के छात्र हैं अभिषेक कुमार यादव

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा का परिणाम शुक्रवार दोपहर जारी कर दिया गया। इसमें सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज रामसनेहीघाट के हाईस्कूल के छात्र अभिषेक कुमार यादव 97.67 फीसदी अंक हासिल कर प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है।अभिषेक कुमार यादव गंगरेला जनपद अयोध्या के रहने वाले हैं।

इसके अलावा अन्य कॉलेज के मेधावियों ने अपनी मेधा का प्रदर्शन कर अधिक अंक हासिल कर अपना स्थान बनाया। परीक्षा परिणाम के बाद कॉलेज से लेकर मेधावियों के घर तक जश्न का माहौल रहा।

मेधावी छात्र अभिषेक कुमार यादव को राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा,राज्य मंत्री प्रतिनिधि प्रदीप द्विवेदी,जवाहर वर्मा, नीरज सिंह सहित अन्य ने बधाई दी।

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज सुमेरगंज रामसनेही घाट बाराबंकी के अभिषेक कुमार यादव ने हाइस्कूल यूपी बोर्ड में किया टॉप, प्रदेश में मिला दूसरा स्थान।

सिने एक्ट्रेस तापसी पन्नू पति के साथ पहुंची बाराबंकी

» विकासखंड रामनगर की ग्राम पंचायत गर्री के सरकारी स्कूल में बच्चियों से मिली

» तापसी पन्नू ने बच्चियों को स्कूली बैग,छाता साइकिल आदि सामग्री वितरित

स्वराज इंडिया संवाददाता

रामनगर (बाराबंकी)। बॉलीवुड की चर्चित एक्ट्रेस तापसी पन्नू अपने पति बैडमिंटन खिलाड़ी मैथियस बो के साथ बाराबंकी जिला के विकासखंड रामनगर की ग्राम पंचायत गर्री पहुंचीं। उन्होंने यहां के सरकारी विद्यालयो की नन्ही कली के माध्यम से गोद ली हुई छत्राओं से मिलकर उन्हें शिक्षा व खेल के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए प्रेरित किया। तापसी पन्नू ने बच्चियों को स्कूली बैग,छाता साइकिल आदि सामग्री वितरित किया।उनके साथ डांस किया और उनसे कहा कि पढ़-लिखकर आगे बढ़ो।दरअसल वह नंदी फाउंडेशन द्वारा संचालित नन्ही कली प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं। इसके लिए वे गरीब तबके की बच्चियों को गोद लेकर उनके शैक्षिक विकास को लेकर सहयोग करती हैं। तापसी हर साल नन्ही कली प्रोजेक्ट के सहयोग से गोद ली हुई इन बच्चियों से मिलने यहां आती हैं और उन्हें बहुत सारा लर्निंग मटेरियल और बाकी सामान देकर जाती हैं।

विकासखंड रामनगर के ग्राम पंचायत गर्री के पंचायत भवन में आयोजित नांदी फाउंडेशन के नन्ही कली कार्यक्रम में बॉलीवुड की चर्चित एक्ट्रेस तापसी पन्नू अपने पति मैथियस बो के साथ पहुंचीं। उन्होंने यहां के सरकारी विद्यालय से गोद ली हुई 60 बच्चियों से मुलाकात की और उन्हें शिक्षा व खेल के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए प्रेरित किया। तापसी पन्नू ने बच्चियों के कक्षा 6 में पहुंचने की बधाई देकर साइकिल छाता, बैग बॉटल आदि सामग्री दी। उनके साथ डांस किया और उनसे कहा कि पढ़-लिखकर आगे बढ़ो।दरअसल वह नंदी फाउंडेशन द्वारा संचालित नन्ही कली प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं। इसके लिए वे गरीब तबके की बच्चियों को गोद लेकर उनके शैक्षिक विकास को लेकर सहयोग करती हैं। तापसी हर साल नन्ही कली प्रोजेक्ट के सहयोग से गोद ली हुई इन बच्चियों से मिलने यहां आती हैं और उन्हें बहुत सारा लर्निंग मटेरियल और बाकी सामान देकर जाती हैं।गरीब बच्चियों की पढ़ाई में करती है मदद दरअसल नन्ही कली एनजीओ से जुड़ी फिल्म अभिनेत्री तापसी पन्नू देश के अलग-अलग हिस्सों में गरीब बच्चियों की पढ़ाई में मदद करती हैं। जिसके तहत बिना किसी तामझाम और सुरक्षा के तापसी बाराबंकी जिले के विकासखंड रामनगर में स्थित पंचायत भवन गर्री पहुंचीं। बच्चियों को सशक्त बनाने की दिशा में काम कर रहीं तापसी ने यहां उनके साथ खूब मस्ती की। सरकारी स्कूल गर्री, बरियारपुर, बिंदौरा परसपुर और बहलोलपुर की 60 बच्चियां शामिल होती हैं। इन बच्चियों को कलियों का नाम दिया गया है। इन 60 नन्ही कलियों को अभिनेत्री तापसी पन्नू द्वारा गोद भी लिया गया है। तापसी हर साल नन्ही कली प्रोजेक्ट के सहयोग से गोद ली हुई इन बच्चियों से मिलने आती हैं। साथ ही उनके परिवार और बाकी बच्चों को मोटिवेट भी करती हैं। उन्होंनेबच्चियों के साथ साइकिल भी चलाई। शिक्षा क्षेत्र में सुविधा हेतु सामग्री वितरित करने के बाद उन्होंने छात्राओं के परिजनों से वार्ता कर बच्चियों से दोस्ताना व्यवहार रखने व उन्हें पढ़ाई के प्रति सजग रखने को कहा। वहीं साथ में जमीन पर बैठकर साथ में फोटो भी खिंचवाई ।जो चाहे वो बने तापसी पन्नू का कहना है कि मैं इन बच्चियों को डाक्टर, इंजीनियर और टीचर के साथ ही जो भी यह बनना चाहें, उन्हें बनाना चाहती हूं। मैं इनके साथ हूं। क्योंकि अगर आप एक आदमी को शिक्षा देते है तो आप एक व्यक्ति को शिक्षित कर रहे हैं, लेकिन अगर आप एक औरत को शिक्षा देते है तो आप पूरे देश को शिक्षित करते है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी बच्ची, किशोरी या युवती शिक्षा से वंचित न रहे। लगातार 5 साल मुलाकात करने के बाद बच्चियों ने इस बार खुलकर बातें की है। यह बच्चियां उनके दिल के काफी करीब हैं।

आउटसोर्सिंग कार्मिकों की सेवा भावना सराहनीय: सीएम योगी

लाखों कर्मचारियों को बड़ी सौगात, आउटसोर्स सेवा निगम के गठन का निर्देश

» मेडिकल सुविधा, मातृत्व अवकाश, दुर्घटना बीमा, पेंशन एवं पारिवारिक पेंशन सहित कई लाभ भी मिलेंगे।

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में कार्यरत आउटसोर्सिंग कार्मिकों की सेवा, श्रम अधिकारों एवं पारिश्रमिक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम (पीसीओएस) के गठन के निर्देश दिए हैं। शुक्रवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा कि राज्य सरकार आउटसोर्सिंग कार्मिकों के श्रम के सम्मान व जनहित में किए जा रहे कार्यों की सराहना करती है और उनकी सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में आउटसोर्सिंग एजेंसियों के माध्यम से कार्यरत कार्मिकों को वेतन में कटौती, समय से भुगतान न होना, ईपीएफ/ईएसआई जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ न मिल पाना, पारदर्शी चयन प्रक्रिया का अभाव, उत्पीड़न आदि शिकायतें प्राप्त होती हैं। ऐसे में व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन किया जाना आवश्यक है।

प्रस्तावित निगम के स्वरूप पर चर्चा करते हुये मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी कर्मचारी को सेवा प्रदाता एजेंसी द्वारा तब तक सेवा से नहीं हटाया जाए, जब तक कि सम्बंधित विभाग के सक्षम अधिकारी की संस्तुति न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक माह की 5 तारीख तक सभी कार्मिकों के बैंक खाते में पूरा पारिश्रमिक जमा हो जाए। साथ ही, ईपीएफ व ईएसआई की राशि भी समय से जमा हो। नियमों के उल्लंघन पर एजेंसियों पर ब्लैकलिस्टिंग, डिबार, पेनाल्टी व वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। निगम का गठन करते हुए इस संबंध में स्पष्ट प्रावधान होने चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिये कि आउटसोर्सिंग निगम के माध्यम से होने वाली सभी नियुक्तियों में नियमानुसार आरक्षण प्रावधानों का पालन किया जाए। इसी प्रकार, मेडिकल सुविधा, मातृत्व अवकाश, दुर्घटना बीमा, पेंशन एवं पारिवारिक पेंशन सहित सभी लाभ निगम के माध्यम से सुनिश्चित किये जाएं।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर बनने जा रहे इस निगम के माध्यम से तीन पक्षीय समझौते के तहत विभाग, निगम व आउटसोर्सिंग एजेंसी के बीच समन्वित रूप से सभी प्रक्रियाएं संचालित होंगी। पारदर्शी चयन प्रक्रिया, जेम पोर्टल से एजेंसियों का चयन, मेरिट आधारित भर्ती, आधुनिक तकनीकों का प्रयोग, ईपीएफ/ईएसआई की समयबद्ध जमा व निगरानी तथा आरक्षण नियमों का पालन सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि निगम एक सुगठित ढांचा के तहत कार्य करेगा, जिसमें बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स, सलाहकार समिति, राज्य व जिला स्तरीय कमेटियां गठित होंगी। जेम पोर्टल द्वारा तीन वर्षों के लिए आउटसोर्सिंग एजेंसियों का चयन किया जाना उचित होगा, लेकिन यह सुनिश्चित किया जाए कि कार्यरत वर्तमान कार्मिकों की सेवाएं बाधित नहीं होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सभी कार्मिकों की गरिमा, सुरक्षा और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए संकल्पित है। यह निगम न केवल प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता लाएगा, बल्कि लाखों आउटसोर्सिंग कार्मिकों के जीवन में स्थायित्व व भरोसा प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संबंध में आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर यथाशीघ्र प्रस्तुत किया जाए।

पहलगाम हमले के आतंकी खिलाफ बुलडोजर एक्शन

पर्यटकों पर गोली बरसाने वाले का घर किया चकनाचूर

» श्रीनगर, एजेंसी।

पहलगाम हमले के आतंकी आदिल के खिलाफ बुलडोजर एक्शन हुआ है। जम्मू-कश्मीर में उसके घर को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया है। आदिल उन आतंकियों में शामिल था जिसने धर्म पूछकर निर्दोष पर्यटकों पर गोली बरसाई थी। अब उसके खिलाफ यह बुलडोजर एक्शन होना मायने रखता है। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है जहां पर उसके आशियाने को चकनाचूर कर दिया है।

वैसे इस समय भारत और पाकिस्तान के बीच में रिश्ते काफी तनावपूर्ण हो चुके हैं। एक कायराना हमले ने फिर पाकिस्तान को पूरी तरह बैकफुट पर ला दिया है, भारत ने भी सबक सिखाने की ठान रखी है। पीएम मोदी ने तो साफ कर दिया है कि आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा, कल्पना से भी ज्यादा सजा उन्हें मिलेगी। प्रधानमंत्री ने पूरी दुनिया को भी संदेश दिया है कि भारत आतंकवाद के खिलाफ झुकने नहीं वाला है, उसकी तरफ से चुन-चुन कर इन आतंकियों को खोज निकाला जाएगा और अंजाम तक पहुंचाया जाएगा।

हादसा: चावल मिल में दम घुटने से पांच की मौत

बेहोशी की हालत में तीन मजदूर अस्पताल में भर्ती

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया।

बहराइच। पूर्वी उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में शुक्रवार सुबह एक चावल मिल में दम घुटने की वजह से पांच मजदूरों की मौत हो गई। इसके अलावा तीन अन्य मजदूरों को बेहोशी की हालत में अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) रामानंद प्रसाद कुशवाहा ने के अनुसार राजगढ़िया चावल मिल के 'ड्रायर' में नमी आने के कारण धुआं उठने पर कुछ मजदूर वहां पहुंचे लेकिन धुआं इतना अधिक था कि वे वहीं बेहोश हो गए। उन्होंने बताया कि फायर विभाग की टीम ने वहां पहुंचकर मजदूरों को बाहर निकाला। रामानंद प्रसाद कुशवाहा ने बताया कि बेहोश मजदूरों की जिला अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने पांच मजदूरों को मृत घोषित कर दिया जबकि तीन अन्य मजदूरों का इलाज किया जा रहा है।